

या कायवाही

12.5.21

प्राणवली फेरा हुई, वकील वादी उद्युक्त अर्थात्
 वकील वादी व वादी प्रतिवादीको मायावत्
 समस्त एक-एक आवाज लगावई गई
 लेकिन कोई हप्रायित नही हुए जा-ही प्रतिवादीको
 के बाद तामील मोहस प्राप्त हुए।

आतः वाद प्रा उन्वर्गत द्वारा 188 आ. टी. ऐ०
 अदम हाजरी अदम परवी में अन्वर्गत आदेश
 ०५ मेघम ०३ क्षेत्र हत खादि ज किमा जाता है
 प्राणवली फेसल सुमा हैका गम्बसे काम होना
 दाखिल दफ्तर हो। निर्वाह खुले मासालिय में
 सुनाया गया।

